1

5251

drishti | दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-9

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF / OPT-24 **H-2409**

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Raaz
Mobile Number:
Medium (English/Hindi): Hindi
Reg. Number:
Center & Date: 525/ Mukh.. Nag.
UPSC Roll No. ***(If allotted)*:** 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।*
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5	4.5	5	3.5	4.5	4.5	22
2							6	9.5	7	5.5			22
3							7						
4	10	6	6.5			22.5	8	6.5	7	6			19.5
						सकल योग (Grand Total)							86

FL-59 -

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

– प्रिय छात्र
– आपका प्रयास सराहनीय है।
– संदर्भ दक्षता प्रभावी है।
– परिचय दक्षता बेहतर है।
– विषय वस्तु दक्षता प्रभावी है परन्तु कुछ प्रश्नों के मुख्य विषय में भटकाव है। सुधार करें।
– उदाहरण लिखें
– भाषा/प्रवाह अच्छी है।
– निष्कर्ष के स्तर पर प्रयास बेहतर है।
– प्रस्तुति दक्षता सराहनीय है।
– लेखनशैली प्रभावी है।
– मेहनत कीजिए सफलता अवश्य मिलेगी।

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. आपको दिये गए मानचित्र (पृष्ठ सं. 5) पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिये एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिये स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार दिये गए हैं: $2\frac{1}{2} \times 20 = 50$

Identify the following places marked on the map (Page no. 5) supplied to you and write a short note of about 30 words on each of them in your question-cum-answer booklet. Locational hints for the each of the places marked on the map are given below seriatim. $2\frac{1}{2} \times 20 = 50$

(i) भारत का सबसे बड़ा सिंधु घाटी सभ्यता स्थल
Largest IVC site in India

UPSC के परीक्षा नियमावली के अनुसार दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों से मानचित्र आधारित प्रश्न के उत्तर की अपेक्षा नहीं की जाती है। अंक का आवंटन शेष प्रश्नों के उत्तर से प्राप्त होने वाले अंक के अनुपात में किया जाता है।

(ii) प्राचीन बंदरगाह
Ancient Port

मैं दृष्टिबाधित अभ्यर्थी हूं। (PWD)

(iii) चावल का प्राचीनतम साक्ष्य
Earliest evidence of rice

(iv) मौर्यकालीन जलाशय प्रणाली
Mauryan Reservoir System

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(v) नवपाषाणकालीन गर्तावास
Neolithic Pit Dwelling

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(vi) शैलकृत गुफा स्थल
Rock cut cave site

drishti | दृष्टि The Vision

(vii) इंडो रोमन कला का केंद्र
Center of Indo Roman art

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(viii) हड़प्पा यूनेस्को स्थल
Harappa UNESCO Site

(ix) प्राचीन राजधानी
Ancient Capital

(x) मोरोधारो
Morodharo

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(xi) एक ताम्रपाषाणकालीन स्थल
A chalcolithic site

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(xii) नवपाषाणकालीन स्थल पर भस्म टीला
Ash mound at Neolithic site

(xiii) चोल शासक राजेंद्र की राजधानी
Capital city of Chola king Rajendra

(xiv) प्राचीन राजधानी नगर
Ancient Capital City

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(xv) प्राचीन हिंदू, जैन और बौद्ध स्थल
Ancient Hindu, Jain and Buddhist Site

(xvi) गांधार कला का केंद्र
Centre of Gandhara Art

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(xvii) एक प्राचीन मंदिर
An ancient temple

(xviii) एक पूर्व-हड़प्पाई स्थल।
A pre-Harapan site.

(xix) दूसरे संगम का स्थान
Place of second Sangam

(xx) भोगरा और साबरमती नदी के तट पर सिंधु घाटी सभ्यता स्थल
IVC site on the bank of river Bhogra and Sabarmati

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. (a) इतिहास के पुनर्निर्माण में सिक्के साहित्यिक स्रोतों की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण कैसे हैं? 20

How are coins more significant in reconstructing history than literary sources? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) महाजनपद एक दूसरे के साथ कूटनीतिक रूप से एवं युद्ध के माध्यम से किस प्रकार व्यवहार करते थे? 15

How did the Mahajanapada interact with each other, both diplomatically and through warfare? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) सिंधु घाटी सभ्यता से प्राप्त मुहरों का क्या महत्त्व है तथा ये हमें समाज के बारे में क्या बताती हैं? 15

What is the significance of seals discovered in the Indus Valley and what do they tell us about society? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

3. (a) मौर्य साम्राज्य की विरासत ने किस प्रकार अनवरत रूप से आधुनिक भारत और इसकी शासन संरचना को प्रभावित किया है? 20

How does the legacy of the Mauryan Empire continue to influence modern day India and its governance structure? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) समय के साथ बौद्ध धर्म का प्रसार एवं विकास किस प्रकार हुआ है तथा विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में इसके प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रभाव क्या रहे हैं? 15

How has Buddhism spread and evolved over time, and what are its major cultural and historical impacts in different regions of the world? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये कि "गुप्त युग एक स्वर्णिम काल है"। 15

Critically examine that "Gupta Age is a golden period". 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) सामाजिक एवं राजनीतिक विकास के संदर्भ में प्रारंभिक और उत्तर वैदिक काल की तुलना करते हुए इनके मध्य अंतर को स्पष्ट कीजिये। दोनों चरणों के मध्य हुए प्रमुख परिवर्तन क्या थे? 20

Compare and contrast the early and later Vedic periods in terms of social and political developments. What were the key transitions between the two phases? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैदिक काल (1500 - 600 ई.पू.)

वर्तमान भारतीय संस्कृति, समाज तथा परंपराओं को जननी मानी जाती है। अध्ययन / विकास तथा परिवर्तनों के आधार पर वैदिक काल को दो स्पष्ट खण्डों में विभाजित किया जाता है।

दो खण्ड → सामाजिक क्षेत्र में अंतर

1500 - 1000 ई.पू.	1000 - 600 ई.पू.
वैदिक / ऋग्वैदिक काल	उत्तर वैदिक काल
→ ~~सामाजिक~~ स्पष्टता तीन मुख्य वर्णों में समाज का विभाजित होना। (ब्राह्मण, राजन्य और जनसामान्य)। शुद्रों की परिकल्पना अंतिम दिनों में।	→ समाज स्पष्टता चार वर्णों में विभाजित ① ब्राह्मण ② क्षत्रिय ③ वैश्य ④ शुद्र

good point

- भूमिका कुस्टट पर प्रयास सराहनीय है।

- प्रश्न की सटीक समझ एवं अंतर की व्यवस्थित रूप रेखा प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② → वर्ण विभाजन बेहद ही सरल रूप में तथा कर्म ही वर्ण के मुख्य निर्धारण का आधार।	② → वर्ण जटिलता में क्रमिक वृद्धि तथा वर्ण का 'जन्म' पर आधारित होना।
③ → महिलाओं की बेहतर स्थिति। • महिलाओं को अध्ययन अधिकार (लोपामुद्रा, विश्ववारा, सिकता आदि) महिलाएं वेदों में भी उल्लेखित • सभा व समितियों में महिलाओं की भागीदारी • विधवाओं के पुनर्विवाह की स्वीकृति.	③ → महिलाओं की स्थिति में क्रमिक ह्रास। • राजनीतिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी पर प्रतिबंध • एक प्रमुख उत्तर वैदिक ग्रंथ में महिलाओं को शराब और जुआ के बाद तीसरी सबसे बड़ी (प्रमुख) बुराई बताया गया।
④ समाज मुख्यतः जनजातीय व कबीलाई पद्धति पर आधारित फलतः सामाजिक विभाजन अत्यंत निम्न।	④ समाज कृषि व्यवस्था पर आधारित फलतः सामाजिक विभाजन को प्रोत्साहन।

विषय वस्तु की अवधारणा समझ बेहतर है।

सभी बिन्दु प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* राजनीतिक क्षेत्र में अंतर

ऋग्वैदिक काल	उत्तर वैदिक काल
① राज्य मुख्यतः जन आधारित।	① राज्य मुख्यतः क्षेत्र आधारित।
② राजा के पद का अनिवार्यता कबीले के साथ जुड़ा होना। → राजा को जनस्य गोप कहा जाता था।	② राजा का पद अधिक शक्तिशाली व स्वतंत्र हो गया। → अब राजा एकराट, सर्वभूमिपति, सर्वजनीन जैसी उपाधियाँ लेने लगा।
③ स्थाई सेना का अभाव। → युद्ध की स्थिति में कबीले के सदस्यों से ही सैन्य का गठन किया जाता।	③ यद्यपि इस काल में भी स्थायी सेना का गठन नहीं हुआ था किंतु इस दिशा में कुछ प्रगति देखने को मिलती है।
④ स्थायी नौकरशाही का अभाव।	④ यद्यपि स्थाई नौकरशाही का विकास अभी भी नहीं हुआ था किंतु 12 रत्नीयों की चर्चा मिलती है।

कुछ अन्य बिन्दु

राजा का चयन समिति नामक स्थाई सभा द्वारा एक निश्चित अवधि के लिए किया जाता था

— सभा, समिति विदथ और गण जैसी अनेक सभाओं का उल्लेख — आदि

राजा का पद वंशानुगत हो गया

— विदथ नामक संस्था लुप्त हो गई एवं सभा एवं समिति का स्वरूप बदल गया

जिलपद ब्राह्मणों एवं पौद्धाओं का प्रमुख था। — — आदि

drishti | दृष्टि The Vision

दोनों चरणों के मध्य हुए प्रमुख परिवर्तन :-

① राज्य के स्तर पर 'जन से जनपद' का विकास।

② कराधान प्रणाली में प्रगति जहाँ ऋग्वैदिक काल में 'बलि' एक स्वैच्छिक भेंट होता वही उत्तर वैदिक काल में अनिवार्य कर के रूप में बलि और शुल्क वसूला जाता।

③ लोकतांत्रिक संस्था के रूप में सभा, समिति और विदथ का क्रमिक पतन।

④ 'गोत्र व्यवस्था' का विकास।

⑤ 'वर्णाश्रम व्यवस्था' को प्रोत्साहन।

⑥ कृषि अर्थव्यवस्था, शिल्प व्यापार और वाणिज्य में क्रमिक विकास।

⑦ 'ऋत' की परिकल्पना।

उपरोक्त अंतरों के बावजूद मूल रूप में दोनों चरणों में व्यापक समानता थी जो बाद के भारतीय संस्कृति का आधार बनी।

विषयवस्तु के सभी बिन्दुओं को समग्रता में कवर किया गया है।

लेखन शैली एवं प्रस्तुति प्रभावी है

निष्कर्ष अच्छा है

10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) सातवाहनों की प्रशासनिक संरचना की चर्चा कीजिये, जिसने इनके शासन की सामंजस्यता और दीर्घजीविता में योगदान दिया। 15

Discuss the administrative structure of the Satvahanas in contributing to cohesion and longevity of their rule. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सातवाहन शासन (28 ई.पू. - 2 सदी ई.)

अपने प्रशासनिक संरचना में जहाँ पूर्व के प्रशासनिक संरचनाओं से भिन्न था वहीं बाद के प्रशासनिक संरचना की आधारशिला सिद्ध हुआ। सातवाहनों की प्रशासनिक संरचना की इसी विशिष्टता ने इसके शासन की सामंजस्यता तथा दीर्घजीविता को प्रोत्साहित किया।

भूमिका प्रभावी है।

प्रशासनिक संरचना

शासक
↓
मंत्रिपरिषद
↓
प्रांत (प्रांतपति)
↓
विषय (आहार) (कुमारामात्य)
↓
ग्राम

- विषय वस्तु को अच्छी समझ है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सातवाहनों की प्रशासनिक संरचना की विशेषताएँ—

विशेषताएँ

(1) राजपद का दैवीकरण।

(क) सातवाहन शासकों ने अपनी तुलना कृष्ण, बलराम, अर्जुन, भीम आदि से की

(ख) जनजातीय मूल के होने कारण सातवाहन शासकों ने जनता के बीच अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए ऐसा किया।

(2) सातवाहन शासकों द्वारा भारी भरकम उपाधियों का लिया जाना

(क) सातवाहन शासकों ने महाराजाधिराज, महाराजा जैसी उपाधियाँ ली।

(ख) इसका कारण स्वयं को अपने अधीनस्थ शासकों से श्रेष्ठ बताना था।

(3) दूरस्थ क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए सातवाहनों के द्वारा दोहरी रणनीति अपनाई गई।

(क) ब्राह्मणों तथा बौद्ध भिक्षुओं को भूमि अनुदान में देना।

सातवाहनों की प्रशासनिक संरचना के स्तर पर आपका प्रयास अच्छा है परन्तु कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को लिखें
- औपनिवेशिक कारक
- सैन्य शिविर
- सामंत
- विभिन्न धर्मों के मध्य सामंजस्य
- आदि

drishti | दृष्टि The Vision

③ सैन्य गवर्नरों की नियुक्ति। (गोल्मी की नियुक्ति)।

④ साम्राज्य का पहले प्रांतों, फिर जिले और फिर गाँव में विभक्त किया जाना।

⑤ जिला प्रशासन तथा इससे नीचे के निकायों के प्रशासन में स्थानीय तत्वों की हिस्सेदारी (सामंतवाद की आंशिक अभिव्यक्ति)।

उपरोक्त उपायों ने सातवाहन शासकों की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि कर, प्रशासन के विभिन्न निकायों में सामंजस्य को सुनिश्चित कर, स्थानीय तत्वों की महत्वाकांक्षा को संतुष्ट कर तथा इसका क्षेत्रों में राज्य के प्रभाव में वृद्धि कर सम्पूर्ण सातवाहन शासन को सुचारू व दीर्घजीवी बनाया।

विषय वस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा है

निष्कर्ष अच्छा है

6

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(c) कनिष्क के शासनकाल का विश्लेषण कीजिये। उसके शासनकाल के दौरान हुए राजनीतिक विकास, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में इसके योगदान का मूल्यांकन कीजिये। 15

Analyze the reign of Kanishka. Evaluate its contributions to political developments, religious tolerance, and cultural exchange during his rule. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कनिष्क (78 ई.) न केवल कुषाणों का अपितु प्राचीन भारतीय इतिहास के सर्वश्रेष्ठ शासकों में से एक था जिसके शासनकाल में हुई राजनीतिक, आर्थिक ~~सामा~~ सामाजिक और धार्मिक प्रगति ने तत्कालीन उत्तर भारत को विकास को नया मानक प्रदान किया।

भूमिका प्रभावी है

राजनीतिक विकास में कनिष्क का योगदान :-

- (i) उसने मध्य एशिया से लेकर उत्तर-पश्चिम भारत होते हुए बनारस तक के भू-भाग को संगठित किया।
- (ii) उसने 'पेशावर' (पुरुषपुर) को अपनी राजधानी बनाई जबकि मथुरा को अपनी दूसरी राजधानी बनाई।
- (iii) उसने देवपुत्र की उपाधि लेकर राजपद का दैवीयकरण किया।

अवधारणात्मक समझ बेहतर है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) उसनें अपने शासन से अलग-अलग वर्गों के हित को जोड़कर अपने राज्य के आधार को व्यापक बनाया, इस क्रम में उसके द्वारा किया गया सामाजिक आर्थिक विकास (नहर व तलाब खुदवाना, सराय निर्माण, शिक्षण संस्था की स्थापना आदि) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजनीतिक घटनाक्रम के कुछ अन्य बिन्दु
- सामंती संगठनों का विकास
- क्षत्रप प्रणाली का सुदृढ़ीकरण
- आदि

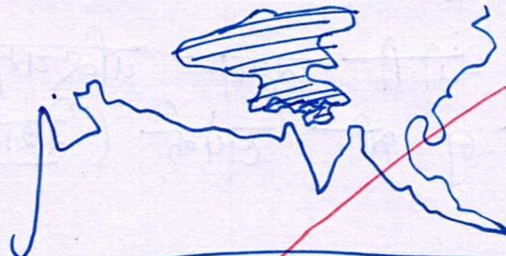

कनिष्क का साम्राज्य

विषय वस्तु के स्तर पर आपका ध्यान सराहनीय है।

धार्मिक सहिष्णुता में कनिष्क का योगदान :—

(i) महायान बौद्ध धर्म का संरक्षक।
(ii) चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन।
(iii) इसके बावजूद अन्य पंथों को भी संरक्षण दिया।
(iv) उसके सिक्कों पर मध्य एशिया से लेकर भारत के विभिन्न देवी-देवताओं का चित्रांकन (बुद्ध, शिव आदि)।

- बौद्ध धर्म के साथ शैव धर्म का उपासक
- विष्णु के उपासक
- कला की विभिन्न शैलियां
- आदि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सांस्कृतिक आदान-प्रदान में कनिष्क का योगदान :-

(i) भारत के राष्ट्रीय कैलेण्डर 'शक संवत' की शुरुआत (78 ई.)।

(ii) चीनी मूल का होने के बाद भी भारतीय संस्कृति का 'आत्मसात्धीकरण'।

(iii) विभिन्न धर्मों के बीच सौहार्द्र को प्रोत्साहन।

(iv) रोमन, चीनी तथा पश्चिम एशियाई संस्कृति से भी संपर्क (रेशम मार्ग) के कारण।

कनिष्क के काल की विलक्षण विशेषताएँ उसके द्वारा जारी सिक्के से बखूबी बयाँ होती है इसके अतिरिक्त उसका राजनीति, सांस्कृतिक व धार्मिक योगदान तत्कालीन साहित्यिक व मूर्तिकला के साक्ष्य से भी पता चलता है।

कुछ अन्य बिन्दु
- गांधार एवं मथुरा कला
- भाषा, साहित्य और शिक्षा
- व्यापार और कृषि
- आदि

सभी प्वाइंट प्रभावी हैं

निष्कर्ष बेहतर है

6.5

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) इक्तादारी प्रणाली क्या है? इसने दिल्ली सल्तनत के सुदृढ़ीकरण में कैसे योगदान दिया?

What is Iqtadari system? How did it contribute to strengthening the Delhi sultanate?

इक्ता प्रणाली इल्तुतमिश द्वारा 'मध्य एशियाई पद्धति पर आधारित' भारत में शुरू की गई एक प्रशासनिक व्यवस्था था, जिसके तहत सम्पूर्ण सल्तनत को विभिन्न भागों में ~~बांट~~ (इक्ता) बाँट दिया गया था और प्रत्येक इक्ता में एक 'मुक्ति या वलि' नामक अधिकारी को नियुक्ति की जाती। जिसका मुख्य कार्य कानून व्यवस्था को स्थापित करना तथा राजस्व को वसूली करना था।

सल्तनत के सुदृढीकरण में इसका योगदान:

योगदान

(i) साम्राज्य में कानून व्यवस्था को स्थापित करना।

भूमिका प्रभावी है

सधु उत्तरी प्रश्नों की भूमिका 25 से 30 शब्दों में लिखें

विषय वस्तु की अच्छी समझ है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) सल्तनत के केन्द्रीय व दूरस्थ भागों से राजस्व का दोहन।

(iii) दूरस्थ क्षेत्र में सल्तनत के प्रभाव को बढ़ाना।

(iv) अमीरों की महत्वकांक्षा तथा सल्तनत के हितों के बीच संतुलन स्थापित करना।

(v) इक्ता व्यवस्था के माध्यम से राज्य के प्रशासनिक ढाँचे को एकीकृत करना।

इन्हीं कारणों से इक्ता व्यवस्था को दिल्ली सल्तनत का स्पाली ढाँचा माना जाता है।

विषय वस्तु की प्रभावी समझ है। कुछ अन्य अन्य महत्वपूर्ण तथ्य - प्रशासन का प्रबंधन एवं केन्द्रीकरण - योग्यतातंत्र को प्रोत्साहन - तुर्कानी हिंद का समावेश

निष्कर्ष अच्छा है।

सभी बिंदु प्रभावी हैं

4.5

drishti | दृष्टि The Vision

(b) कश्मीर के शासक के रूप में ज़ैन-उल-अबिदीन की प्रमुख भूमिका क्या थी?
What was Zainul Abidin's major role as a ruler of Kashmir?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मध्यकालीन कश्मीर के महानतम् शासक के रूप में (1420 - 1470 ई.) ज़ैन-उल-अबिदीन की बहुआयामी भूमिका रही है।

भूमिका प्रभावी है

प्रमुख योगदान

1. कश्मीर के शासक सिकंदर शाह द्वारा अपनाई गई हिंदू विरोधी नीति को वापस लेना तथा धार्मिक सहिष्णुता की नीति अपनाई।

2. बहुसंख्यकों के धार्मिक भावना का सम्मान करते हुए 'गौ हत्या' पर प्रतिबंध लगाया तथा मंदिर निर्माण को प्रोत्साहित करना।

3. राज्य की सीमा को सुदृढ़ व स्थिर करने के लिए सीमावर्ती राज्यों को जीतना।

4. राज्य के आर्थिक विकास हेतु लघु उद्योग, हस्तशिल्प तथा व्यापार और वाणिज्य को प्रोत्साहित करना।

सभी प्वाइंट प्रभावी है।

महत्वपूर्ण तथ्यों को अंडरलाइन करें

प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महत्वपूर्ण तथ्यों का प्रभावी वर्णन है

(5) कश्मीर में "गलीचे बुनने" की कला को प्रोत्साहित करना तथा कागज निर्माण के कला को सीखने के लिए चुने हुए लोगों को पश्चिम एशिया भेजना।

(6) राज्य में कला और साहित्य को प्रोत्साहित करना विशेषकर संगीत।

जैन-उल-आबिदीन के इन्हीं बहुआयामी योगदान के कारण उन्हें कश्मीर का अकबर भी कहा जाता है।

निष्कर्ष अच्छा है

5

drishti | दृष्टि The Vision

(c) अलाउद्दीन खिलजी के राजत्व सिद्धांत का विश्लेषण कीजिये जिसका उद्देश्य सत्ता को केंद्रीकृत करना और अपने विशाल साम्राज्य पर नियंत्रण बनाए रखना था।

Analyze Alauddin Khilji's theory of kingship aimed at centralizing power and maintaining control over his vast empire.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.)

खिलजी वंश का महानतम सुल्तान था जिसने सत्ता का केन्द्रीयकरण तथा अपने विशाल साम्राज्य पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए राजत्व की एक नवीन अवधारणा प्रतिपादित की।

भूमिका प्रभावी है

अलाउद्दीन खिलजी के राजत्व की विशेषताएँ

विशेषताएँ

(i) उसके राजत्व की अवधारणा बलबन के 'लौह एवं रक्त की नीति' तथा जलालउद्दीन खिलजी के 'खिलजी क्रांति' से प्रेरित थे।

(ii) उसने एकतरफ तो शासन के संचालन में क्रूर व कठोर नीति को अपनाया वहीं दूसरी तरफ विवेकपूर्ण सामंजस्य की नीति का प्रतिप्रेषण किया।

महत्वपूर्ण तथ्यों का प्रभावी वर्णन है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) उसने दरबार का द्वार तुर्कों के अतिरिक्त योग्य भारतीय मुसलमानों के लिए भी खोल दिया और इस तरह से तुर्की 'नस्लवाद की नीति' को अस्वीकृत कर दिया।

(4) उसके राजत्व ने धर्म तथा राजनीति के बीच पूर्ण पृथक्करण की नीति को अपनाया गया।

(क) अलाउद्दीन ने काजीमुगुसउद्दीन को यह कहा

"मुझे नहीं पता कि शरीयत के अनुसार क्या सही है और क्या गलत"।

(5) उसने प्रांतो पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए केन्द्रीय अधिकारियों के द्वारा राजस्व की वसूली की नीति अपनाई तथा प्रांतों में केन्द्रीय हस्तक्षेप को बढ़ाया।

(6) उसने अमीरों के संबंधों को भी नियंत्रण करने की कोशिश की।

राजत्व की इन्हीं विशेषताओं के कारण दिल्ली सल्तनत एक साम्राज्य बन सका।

विषय वस्तु के स्तर पर प्रयास बेहतर है
अलाउद्दीन के राजत्व के सिद्धांत से संबंधित कुछ अन्य मुख्य बिन्दुओं का वर्णन करें
- राजशाही निरंकुशता
- शक्ति का सिद्धांत
- धर्म को राजनीति से अलग रखा
- आदि
निष्कर्ष ठीक है
विषयवस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा है।
3.5

drishti | दृष्टि The Vision

(d) मध्यकालीन दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य के भू-राजनीतिक महत्त्व की चर्चा कीजिये।

Discuss the geopolitical significance of the Vijayanagar Empire in medieval South India.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विजयनगर साम्राज्य (1336- 1565)

मध्यकालीन दक्षिण भारत और बाबर के 'तुजुक-ए-बाबरी' के अनुसार भारत का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य था।

भूमिका अच्छी है

दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य का भू-राजनीतिक महत्त्व -

(i) उत्तर में दिल्ली सल्तनत, पश्चिम में बहमनी राज्य और पूर्व में गजपतियों के प्रसार को रोकना।

(ii) मोहम्मद बिन तुगलक के नेतृत्व में दिल्ली सल्तनत के दक्षिण भारत में अनियंत्रित विस्तार पर अंकुश लगाने में योगदान।

(iii) बहमनी राज्य तथा बाद में उनके उत्तराधिकारी राज्यों के साथ संबंधों को निरंतर परिभाषित करते रहना।

मेन प्वाइंट अच्छे हैं।

विषय वस्तु की अवधारणात्मक समझ अच्छी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) गोवा में स्थापित पुर्तगालियों के साथ सम्बंध स्थापित कर उनके भावी विस्तार पर अंकुश लगाए रखना

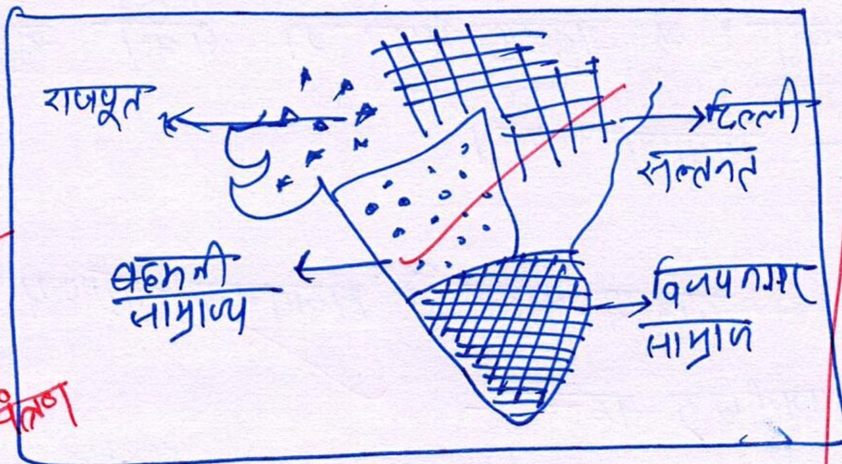

(v) अपनी आर्थिक समृद्धि और सांस्कृतिक विविधता के कारण सीमावर्ती राज्यों के लिए आकर्षण का केन्द्र।

अपने उपरोक्त भू-राजनीतिक भूमिका के कारण ही विजयनगर साम्राज्य अपने जीवन के अधिकांश काल में एक सैनिक साम्राज्य बना रहा जो उसके पतन का कारण सिद्ध हुआ।

विषय वस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा है
|
कुछ अन्य बिन्दु
|
कूटनीतिक संबंध
- संसाधनों पर रणनीतिक नियंत्रण
- शासन की विरासत
आदि

विषय वस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा है

निष्कर्ष अच्छा है

4.5

drishti | दृष्टि The Vision

(e) मनसबदारी प्रणाली ने मुगल साम्राज्य की प्रशासनिक कुशलता में किस प्रकार योगदान दिया?

How did the Mansabdari system contribute to the administrative efficiency of the Mughal Empire?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

· सिविल तथा सैन्य अधिकारियों को परस्पर जोड़ने की तथा मिश्रित उमरावर्ग के निर्माण की महत्वकांक्षा से प्रेरित होकर अकबर ने अपने शासन के 41 वें वर्ष मनसबदारी प्रणाली की शुरुआत की।

भूमिका अच्छी है

मनसबदारी प्रणाली की विशेषताएँ

विशेषताएँ

1. चंगेज़ खान के 'दसमलव प्रणाली' पर आधारित।
2. इसके तहत जात एवं सवार नामक दो पदों का आवंटन किया जाता।
3. जात पद व्यक्तिगत ओहदे जबकि सवार पद घोड़े की संख्या को इंगित करता।
4. जात और सवार के परस्पर संबंधों के आधार पर मनसबदारों की तीन

विषय वस्तु की समझ बेहतर है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुख्य श्रेणियाँ थी।

मनसबदारी व्यवस्था के योगदान से संबंधित अन्य प्वाइंट
- साम्राज्य की एकता और विस्तार
- राजस्व संग्रह
- नौकरशाही में एकरूपता
- आदि

मुगल प्रशासनिक कुशलता में इसका योगदान:

1. प्रशासनिक केंद्रीकरण को प्रोत्साहन।
2. कानून व्यवस्था की स्थापना में फौजदार को सहायता करना।
3. फौजदार व सुबेदारों को राजस्व वसूली में सहयोग देना।
4. मिश्रित अमीर वर्ग का निर्माण कर साम्राज्य के हितों की पूर्ति करना।
5. मिश्रित सेना का गठन की मार्ग प्रशस्त करना।

अच्छी प्वाइंट अच्छे है

इन्हीं कारणों से मुगल साम्राज्य के संदर्भ में मनसबदारी व्यवस्था को ठीक वैसा ही स्टील फ्रैम माना जाता है जैसा कि ब्रिटिश शासन के दौरान सिविल सेवा को माना जाता था

निष्कर्ष अच्छा है

4.5

प्रस्तुति बेहतर है
- संदर्भ दक्षता अच्छी है

drishti | दृष्टि The Vision

6. (a) मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा राजधानी परिवर्तन और सांकेतिक मुद्रा की शुरूआत जैसी नीतियों के कार्यान्वयन के पीछे निहित कारणों का मूल्यांकन कीजिये। 20

Evaluate the reasons behind Muhammad bin Tughlaq's implementation of policies such as the transfer of the capital and the introduction of token currency. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गैर- भेदभावपूर्ण इतिहास लेखन मोहम्मद बिन तुगलक की सबसे के चरित्र चित्रण को सबसे बड़ी समस्या रही है इन्ही कारणों से उसके 'धार्मिक सहिष्णुता की नीति' से असंतुष्ट वर्गों, भ्रष्टाचार के कारण बंदी बनाए गए इब्न बतूता और विरोधी पक्ष के दरबारी इतिहासकार इसामी के इतिहास लेखन में मोहम्मद बिन तुगलक को 'Man of contradictions' के रूप में चित्रित किया गया है।

हालांकि मोहम्मद बिन तुगलक की नीति और कार्यवाहियों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करें या उसकी विफलता नीतियाँ उसके उर्वर मस्तिष्क की उपज प्रतीत होती है वहीं उसकी विफलता के लिए कुछ अन्य कारक जिम्मेदार माने जा सकते हैं।

भूमिका के स्तर पर प्रभाव बेहतर है

प्रश्न के महत्वपूर्ण संदर्भों को समझ प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रमुख कदम तथा उसके कारण :-

(1) राजधानी परिवर्तन → (1327) मुहम्मद बिन तुगलक ने सिंहासनारोहण के कुछ ही समय बाद अपनी राजधानी दिल्ली से देवगिरी (दौलताबाद) स्थानांतरित करने का निर्णय लिया।

कारण

(i) दक्षिण में हो रहे विद्रोह से निपटने के लिए दौलताबाद का रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र पर अवस्थित होना।

(ii) उसके विचार में जहाँ दिल्ली उत्तर भारत का केन्द्र था वहीं दौलताबाद दक्षिण भारत का केंद्र था।

(iii) सुल्तान बनने से पूर्व मोहम्मद बिन तुगलक ~~दिल्ली~~ दौलताबाद का प्रशासक रह चुका था

विषय वस्तु के स्तर पर आपका प्रयास सराहनीय है।

कुछ अन्य प्वाइंट — बरनी के अनुसार सुल्तान यह कदम दिल्ली के लोगों को दंडित करने हेतु उठाया था जो सुल्तान के बारे में अपमानजनक बातें करते थे — आदि

प्वाइंट अच्छे हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विफलता के कारण :-

(i) विशाल साम्राज्य तथा सीमित परिवहन तंत्र के कारण दौलताबाद से उत्तर भारत पर नियंत्रण बनाए रखना कठिन था।

(ii) उत्तर पश्चिम से होते रहने वाले मंगोल आक्रमण

(iii) अपने मूल क्षेत्र से दूर होने के कारण अधिकारियों व दरबारियों में असंतोष।

प्रयास अच्छा है।

2 **सांकेतिक मुद्रा की शुरुआत** → इसके चाँदी के टंकके के स्थान पर तांबे के सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन शुरू किया। जिसकी अंकित कीमत आज के सिक्कों की तरह ही उसके आंतरिक कीमत से काफी कम होती।

बरनी के अनुसार सुल्तान के सल्तनत में खजाने में सोने एवं चाँदी जैसी कीमती धातुओं की कमी को दूर करना था आदि

कारण –

→ इससे पूर्व, चीन में कुबलई खान और ईरान में अब्दुल्ला खान के द्वारा सांकेतिक मुद्रा का सफल प्रयोग किया जा चुका था।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) 14वीं सदी में चाँदी की आपूर्ति में कमी

(iii) अर्थव्यवस्था का निरंतर कमजोर होना फलतः सांकेतिक मुद्रा को एक उपयुक्त उपाय माना गया।

(iv) **विफलता के कारण**

(i) समुचित क्रियान्वयन न होना।

(ii) अधिकारियों की अक्षमता।

(iii) जनता के द्वारा 'नकली मुद्रा' का ढाला जाना।

आर के मुख्य विषय को तथ्यता से स्पष्ट किया गया है

यद्यपि उसके उपरोक्त कदम उसके उर्वर मस्तिस्क तथा तत्कालिक जरूरतों से प्रेरित थे किंतु उसका अस्थिर मस्तिस्क, कार्यान्वयन पक्ष में 'कमजोरी' और अपनी जनता व अधिकारियों के मनोविज्ञान को न समझ पाना उसकी विफलता का कारण बना।

निष्कर्ष अच्छा है

9.5

drishti | दृष्टि The Vision

(b) दिल्ली सल्तनत के शासकों ने मंगोल आक्रमणों को किस प्रकार जवाब दिया विश्लेषण कीजिये। साथ ही भारतीय उपमहाद्वीप पर मंगोल आक्रमण के प्रभावों की चर्चा भी कीजिये। 15

Analyze the responses of Delhi Sultanate rulers to counter the Mongol invasions. Also discuss the impact of Mongol invasion in Indian subcontinent. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दिल्ली शासन को आरंभ से ही मंगोल आक्रमण की समस्या का सामना करना पड़ा जिसके समाधान हेतु अलग-अलग सुल्तानों ने अलग-अलग नीतियाँ अपनाई। यद्यपि उनकी नीतियों में आंशिक समानता के तत्व भी देखे जा सकते हैं।

[भूमिका अच्छी है।]

मंगोल आक्रमण से निपटने के लिए विभिन्न सुल्तानों द्वारा उठाए गए कदम -

① इल्तुतमिश - मंगोल आक्रमण की शुरुआत इसके ही काल में हुई। किंतु, व्यवहारिक बुद्धि का परिचय देते हुए उसने आरंभिक मंगोल आक्रमण को टाल दिया। इस क्रम उसके द्वारा ख्वारिज्म के राजकुमार को राजनीतिक शरण देने से इनकार कर दिया और इस तरह से चंगेज खान के आक्रमण के खतरे को

[ये प्वाइंट अच्छा है]

[- विषय वस्तु के स्तर पर प्रयास बेहतर है।]

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाप्त कर दिया गया।

[2] **बलबन** → ~~मंगोल~~ सल्तनत कालीन मंगोल नीति की आधारशिला रखने का श्रेय बलबन को ही दिया जाता है इस क्रम में उसने दोहरी नीति अपनाई।

(क) उसने मंगोलो के मुख्य दावेदार के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किया और राजदूतों के आदान- प्रदान को सुनिश्चित किया।

(ख) उत्तर पश्चिम में दोहरी सुरक्षा पंक्ति की स्थापना की

(i) → मुल्तान, लाहौर, दिपालपुर सुरक्षा पंक्ति (मोहम्मद के अधीन)

(ii) → सुनाम - समाना, दिपालपुर सुरक्षा पंक्ति (बुगरा खान के अधीन)

[3] **अलाउद्दीन खिलजी** → उसने लौह एवं रक्त की नीति अपनाई तथा शक्तिशाली सेना का गठन कर मंगोल आक्रमण को विफल किया।

आप के मुख्य विषय को समग्रता से कवर किया गया है

good point

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ मोहम्मद बिन तुगलक :- मंगोल आक्रमण से निपटने के लिए उसने ख्वारिज्म अभियान की रूपरेखा तैयार की तथा इस हेतु विशाल सेना का गठन किया। यद्यपि बाद में ख्वारिज्म अभियान के योजना को स्थगित कर दिया गया।

मंगोल आक्रमण के प्रभाव

(i) उपमहाद्वीप में आंतरिक सुरक्षा की समस्या का बना रहना।
(ii) सुल्तानों के द्वारा अपना पूरा ध्यान पश्चिमोत्तर सीमा पर केन्द्रित रखना।
(iii) सुल्तानों के द्वारा सेना के गठन पर विशेष बल देना।
(iv) कई बार सुल्तानों ने मंगोल आक्रमण के भय से दूरवर्ती क्षेत्रों में अपने अभियानों को स्थगित किया (बलबन)।
(v) भारत के सामासिक संस्कृति को भी उसने प्रोत्साहित किया (कुछ मंगोल भारत में आकर बस गए थे।

विभिन्न सुल्तानों के द्वारा मंगोल आक्रमण से निपटने के लिए उठाए गए कदम ही चीन तथा मध्य एशिया के विपरीत भारत में शांति व्यवस्था तथा समृद्धि को प्रोत्साहित करने वाला (13-14 वीं सदी) कारण सिद्ध हुआ।

मंगोल आक्रमण के सकारात्मक प्रभाव लिखिए। मंगोल आक्रमण के खतरों ने सुल्तानों को उदार और धार्मिक नीति अपनाने के लिए मजबूर किया आदि

समग्र बेहतर है

1

निष्कर्ष अच्छा है

drishti | दृष्टि The Vision

(c) अर्थव्यवस्था के स्थिरीकरण एवं साम्राज्यिक प्राधिकार की सुदृढ़ता में मुगलों द्वारा किये गए सिक्का सुधारों के महत्त्व की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the significance of Mughal coinage reforms in stabilizing the economy and consolidating imperial authority. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिक्के किसी साम्राज्य के सुदृढ़ता, विस्तार और अर्थव्यवस्था के स्तर को अभिव्यक्त करने वाले प्रमुख साधन होते हैं। मुगलों के सिक्का सुधार को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है।

भूमिका प्रभावी है

सिक्का विकास से संबंधित तथ्य

- (i) मुगल मुद्रा व्यवस्था की आधारशिला शेरशाह सूरी के द्वारा स्थापित की गई थी
- (ii) मुगलकालीन चाँदी को सिक्के को 'रुपया' जबकि तांबे के सिक्के को 'दाम' कहा जाता था।
- (iii) अकबर ने सोने के सिक्कों का भी प्रचलन आरंभ किया था
- (iv) सोने के सिक्के की तुलना में चाँदी

अवधारणात्मक समझ अच्छी है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का रुपया और रुपया की तुलना में ताँबे का 'दाम' कहीं अधिक प्रचलित था।

(v) 'अबुल - फजल' के 'आइन- ए- अकबरी' के अनुसार सोने के सिक्के की ढुलाई के लिए चार, चाँदी के सिक्कों की ढलाई के चौदह और तांबे के दाम की ढलाई के लिए 42 केंद्र थे।

मुगलों के सिक्का सुधार का महत्व :-

- (i) आंतरिक व्यापार और वाणिज्य को प्रोत्साहन।
- (ii) विदेश व्यापार को भी बढ़ावा मिला।
- (iii) 'राजधानी व्यवस्था' टूटने लगी।
- (iv) मुद्रा अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन।
- (v) नगद में राजस्व की वसूली पर बल दिया जाने लगा।
- (vi) मनसबदारों को नगद तनख्वाह देने के कारण लंबे समय तक मनसबदारी व्यवस्था का सफल संचालन।

अर्थव्यवस्था के स्थिरीकरण में मुगल कालीन सिक्कों की भूमिका

- त्रिधातु मुद्रा
- सुलभ सिक्का ढलाई
- व्यापार और वाणिज्य
- सिक्कों की स्वीकार्यता
आदि

- साम्राज्य के प्राधिकार की सुदृढ़ता में मुगल सिक्कों की भूमिका
- केन्द्रीकृत नियंत्रण
- संप्रभुता का प्रतीक
- वैधता
आदि

drishti | दृष्टि The Vision

निष्कर्ष अच्छा है

इन्ही कारणों से यह कहा जा सकता है कि मुगलों द्वारा किया गया सिक्का सुधार अर्थव्यवस्था के स्थिरीकरण तथा साम्राज्यिक प्राधिकार को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुआ।

प्रश्न को समझ कर सटीक एवं प्वाइंट वार लिखें।

5.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. (a) इंडो-इस्लामिक स्मारकों की प्रमुख वास्तुकला विशेषताओं का विश्लेषण कीजिये। इन संरचनाओं ने इस्लामी अभिकल्पना सिद्धांतों को स्थानीय भारतीय वास्तुकला शैलियों के साथ कैसे मिश्रित किया? 20

Analyze the key architectural features of Indo-Islamic monuments. How did these structures blend Islamic design principles with indigenous Indian architectural styles? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) मराठों के पतन के कारणों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the reasons behind the decline of the Marathas. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(c) नादिर के आक्रमण, कृषि संकट एवं मौद्रिक संकट ने 18वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया को किस प्रकार तेज़ किया। 15

How did the Nadir invasion, agrarian crisis, and monetary crisis hasten the process of the disintegration of the Mughal Empire in the 18th century. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

8. (a) मुगल भारत में धार्मिक सद्भाव और सहिष्णुता के प्रोत्साहन में अकबर की धार्मिक नीति के महत्त्व की चर्चा कीजिये। 20

Discuss the significance of Akbar's religious policy in fostering religious harmony and tolerance in Mughal India. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुस्लिम शासन की स्थापना के बाद से ही बहुसंख्यक शासित हिंदु वर्ग तथा अल्पसंख्यक शासित मुस्लिम वर्ग के बीच के संबंधों का निर्धारण एक बड़ी चुनौती बना रहा। यद्यपि आरंभ में अलाउद्दीन खिलजी व मोहम्मद बिन तुगलक ने इसका हल ढूंढने को कुछ प्रयास किया किंतु इसके वास्तविक सफलता अकबर को ही मिली जिसने धार्मिक सद्भाव और सहिष्णुता के प्रोत्साहन के लिए एक अनुकरणीय नीति अपनाई।

भूमिका अच्छी है।

अकबर की धार्मिक नीति के प्रेरक तत्व :-

- (i) उदार ~~मंगो~~ मुगल मंगोल परंपरा।
- (ii) पूर्वजों के उदार विचार का प्रभाव।
- (iii) माता तथा गुरु अब्दुल लतीफ के उदार विचारों का प्रभाव।

पॉइंट अच्छे हैं।

महत्वपूर्ण सन्दर्भों का वर्णन प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) भक्ति व सूफी आंदोलन का प्रभाव।

(v) मिश्रित अमीर वर्ग के निर्माण की आकांक्षा।

(vi) साम्राज्यवादी महत्वकांक्षाओं की प्रेरणा।

* अकबर की धार्मिक नीति के तीन चरण:-

1. 1556 - 1574 (रूढ़िवादी चरण)
2. 1574-80 (धार्मिक दृष्टिकोण में परिवर्तन)
3. 1580-आगे धार्मिक सहिष्णुता तथा नवाचार की ओर।

① पहला चरण:- (1556-1574) →

(क) इस चरण में अकबर एक रूढ़िवादी मुस्लिम शासक था तथा इसके धार्मिक विचारों के निर्माण में तत्कालीन सद्र अब-सुदर एवं रूढ़िवादी उलेमा मोहम्मद सुल्तान की भी अहम भूमिका रही।

निर्माण को बढ़ावा देने में अकबर की धार्मिक नीति का महत्व।
- मुगल साम्राज्य की नींव मजबूत हुई।
- राजपूतों के साथ संबंधों में सुधार
- संस्कृति का आत्मसातीकरण
- साम्राज्य को विद्रोह से बचाया

drishti दृष्टि The Vision

(ख) इसके बावजूद उसने धार्मिक उदारता की कुछ नीतियों को अपनाया गया –

→ बंदियों के जबरन धर्मांतरण पर रोक (1561)

→ तीर्थयात्रा कर पर रोक (1562)

→ जजिया कर को समाप्त (1564)

② द्वितीय चरण

(क) इस दौरान अकबर के सोच में क्रमिक विकास की प्रवृत्ति देखने को मिलती है।

(ख) 1575 में अकबर के द्वारा इबादत खाना की स्थापना की गई किंतु उलेमाओं की कट्टरता के कारण उसने इबादतखाना का दरवाजा अन्य धर्मों के लिए भी खोल दिया।

(ग) 1579 में अकबर ने फतेहपुर सीकरी के जामा मस्जिद से अपने नाम का खुतबा पढ़ा और फिर महजरनामा की घोषणा की।

3 तृतीय चरण

(क) इस चरण में वह रहस्यवाद की ओर प्रवृत्त हुआ।

विषय वस्तु पर पकड़ है, सटीक एवं स्पष्ट है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रश्न को समझ कर लिखें

(ख) 'दीन-ए-इलाही' की शुरुआत की जिसका उद्देश्य निश्चित सामाजिक व नैतिक व्यवहारों के आधार पर विभिन्न संप्रदायों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करना था।

धार्मिक सद्भाव व सहिष्णुता में अकबर की धार्मिक नीति का महत्व -

विषय वस्तु पर ध्यान अच्छा है अन्य बिन्दुओं को लिखें

महत्व

(i) महजरनामा के माध्यम से उसने प्रजा के संबंधों को उलेमाओं के परिधि से राज्य के परिधि में ला दिया।

(ii) 'सुलह-ए-कुल' की नीति से उसने हर वर्ग को अपने राज्य की आवश्यकता से जोड़ दिया।

(iii) उसकी उदार धार्मिक नीति के कारण धार्मिक दृष्टि से विभाजित लोग भी उसके दरबार वर्ग में एक साथ शामिल हुए।

(iv) उसके द्वारा अपनाई गई नीति से ही बहुसंख्यकों तथा अल्पसंख्यक दोनों ही राज्य के आवश्यकता से जुड़ गए।

निष्कर्ष

अतः अकबर अपने धार्मिक नीति के कारण पश्चिम एशिया तथा यूरोप में अन्य शासकों से कई अधिक राष्ट्रीय प्रतीत होता है।

6.5

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अलाउद्दीन खिलजी की भू-राजस्व प्रणाली और प्रशासनिक नवाचारों की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिये। इन सुधारों ने उसके साम्राज्य में कृषि संबंधों एवं राजस्व संग्रह को किस प्रकार प्रभावित किया? 15

Discuss the key features of Allauddin Khilji's land revenue system and its administrative innovations. How did these reforms impact agrarian relations and revenue collection in his empire? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दिल्ली सल्तनत में भू-राजस्व सुधार तथा प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से अलाउद्दीन खिलजी अन्य सभी सुल्तानों की तुलना में कहीं अधिक श्रेष्ठ माना जाता है।

भूमिका अच्छी है।

भू-राजस्व प्रणाली की विशेषताएँ

1. अलाउद्दीन की भू-राजस्व प्रणाली 'मसाहत पद्दति' के नाम से जानी जाती है।
2. इसका मुख्य उद्देश्य राज्य की आय में वृद्धि करना था।
3. इस क्रम में उसने मिल्क, वक्फ और इनाम भूमि को खालसा भूमि में तब्दील कर दिया।
4. भू-राजस्व से संबंधित जमींदारों के परंपरागत अधिकार 'हकीक-ए-खोती' और 'किस्मत-ए-खोती' को समाप्त कर दिया।

विषय वस्तु की अच्छी समझ है।

drishti | दृष्टि The Vision

भू-राजस्व की दर को कुल उत्पादन का 50% कर दिया गया।

(5) किसानों पर घरी, चराई जैसे कर आरोपित किए गए।

भू-राजस्व प्रणाली की विशेषताएं। ✓ खालसा प्रणाली ✓ मसाहत प्रणाली ✓ मध्यस्थों को हटाना ✓ आदि

प्रशासनिक नवाचारों की विशेषताएँ

(क) प्रांतीय प्रशासन में केन्द्रीय अधिकारियों का हस्तक्षेप बढ़ाया गया।

(ख) बकाया राशि की वसूली के लिए दीवान-ए-मुस्तखराज स्थापित किया गया।

(ग) प्रशासनिक संचालन हेतु अमीरों के आपसी संबंधों को नियंत्रित किया गया।

(घ) राजत्व की एक नवीन अवधारणा आरोपित की गई जिसके तहत राज्य का सामाजिक आधार को विस्तृत किया गया और तुर्की नस्लवाद को अस्वीकृत कर दिया गया।

(ङ) बाजार नियंत्रण की प्रणाली अपनाई गई इस क्रम में तीन प्रकार की मंडियों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

का गठन किया गया तथा इसके समुचित संचालन हेतु दीवान-ए-रियासत को स्थापित किया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कृषि संबंध व राजस्व संग्रह पर प्रभाव :

प्रभाव

- (i) राज्य के आय में वृद्धि।
- (ii) भूमि प्रारूप में परिवर्तन।
- (iii) जमींदारों की स्थिति में ह्रास
- (iv) यद्यपि मोहम्मद हबीब ने 'ग्रामीण क्रांति' की अवधारणा पेश की है किंतु उसकी कुछ सीमाएँ हैं
  - (क) भूमि का वर्गीकरण किए बिना भू-राजस्व का निर्धारण फलतः कराधान प्रणाली प्रगतिहीन
  - (ख) राजस्व की दर में वृद्धि से किसानों का उत्पीड़न।
- (v) राज्य में कृषि उत्पादों की कीमतों में स्थिरता।

अतः अलाउद्दीन खिलजी के उपरोक्त सुधारों ने भावी राजस्व प्रशासनिक सुधारों के लिए रूपरेखा तैयार कर दी।

good point

विषय वस्तु स्पष्ट पर प्रयास अच्छा है। कुछ अन्य प्रभाव। नकदपया वस्तु उच्च कराधान प्रणाली आदि निष्कर्ष अच्छा है।

7

(c) मध्यकालीन भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य पर भक्ति और सूफी आंदोलनों के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये। इन आंदोलनों ने किस प्रकार सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया एवं सोपानिक संरचनाओं को चुनौती दी। 15

Evaluate the impact of Bhakti and Sufi movements on the socio-political landscape of medieval India. How did they foster social cohesion and challenge hierarchical structures. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति व सूफी आंदोलन मध्यकालीन भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक आंदोलन है।

भूमिका अच्छी है।

सामाजिक - राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभाव -

प्रभाव

(i) रहस्यवाद का प्रेषण।

(ii) सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहन।

(iii) सामाजिक, राजनीतिक कुरीतियों पर चोट। (निजामउद्दीन औलिया के द्वारा ग्यासउद्दीन तुगलक की आलोचना करना)।

(iv) साहित्य, संगीत, नृत्य, चित्रकला आदि को प्रोत्साहन।

(v) सुल्तानों को राजनीतिक मार्गदर्शन।

(vi) धार्मिक कट्टरता की नीति तथा रूढ़िवाद की आलोचना।

अवधारणात्मक समझ बेहतर है।

सभी प्वाइंट अच्छे हैं।

कुछ अन्य बिन्दु
- साझा भक्ति एवं सूफी प्रथाएं
- स्थानीय भाषाएं
- संगीत एवं संगत प्रथाएं
आदि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक समरसता के प्रोत्साहन मे इनकी भूमिका -

(i) धार्मिक क्षेत्र मे समानता के साथ ही सामाजिक क्षेत्र मे समानता की नीति का प्रतिप्रेषण।

(ii) तर्क के आधार पर जाति तथा धर्म आधारित भेदभाव का खण्डन।

(iii) प्रगतिहीन विचारों की आलोचना।

(iv) धार्मिक कर्मकांड पर कुठाराघात।

(v) ईश्वर की एकता के माध्यम से मानव की एकता ~~इन्हें~~ का संदेश।

(vi) बुल्ले-शाह के अनुसार -

"मंदिर को तोड़ दो
मस्जिद को तोड़ दो
लेकिन दिल कोमत तोड़ो
क्योंकि यह खुदा का पनाहगाह है।"

- चुनौतीपूर्ण पदानुक्रम बताए
- भक्ति पर जोर
- जाति पर प्रश्न
- नए सम्प्रदायों का उदय
- भक्ति एवं सूफी आन्दोलन की सीमाएं
- सीमित सामाजिक गतिशीलता
- आध्यात्मिक उत्थान पर ध्यान
- आदि

drishti | दृष्टि The Vision

इन्ही कारणों से मध्यकालीन भारत में हुए भक्ति व सूफी आंदोलनो की तुलना प्रायः यूरोप में हुए प्रोटेस्टेंट धर्मसुधार आंदोलनो से की जाती है।

निष्कर्ष अच्छा है

6.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)